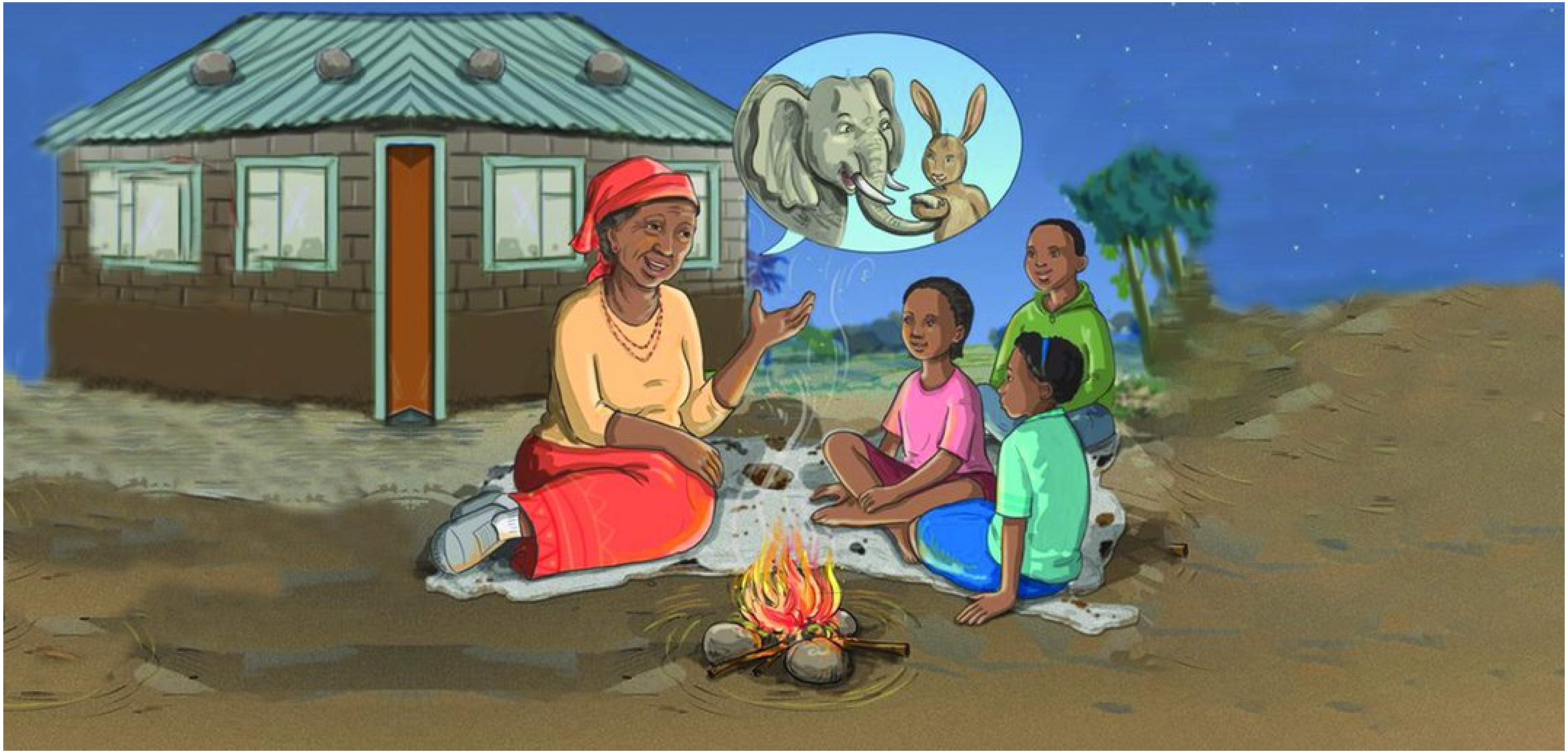

storyweaver Community

स्वतंत्रता के फल

Author: Rose Mburu
Illustrator: Catherine Groenewald
Translator: Arvind Gupta

पठन स्तर ४

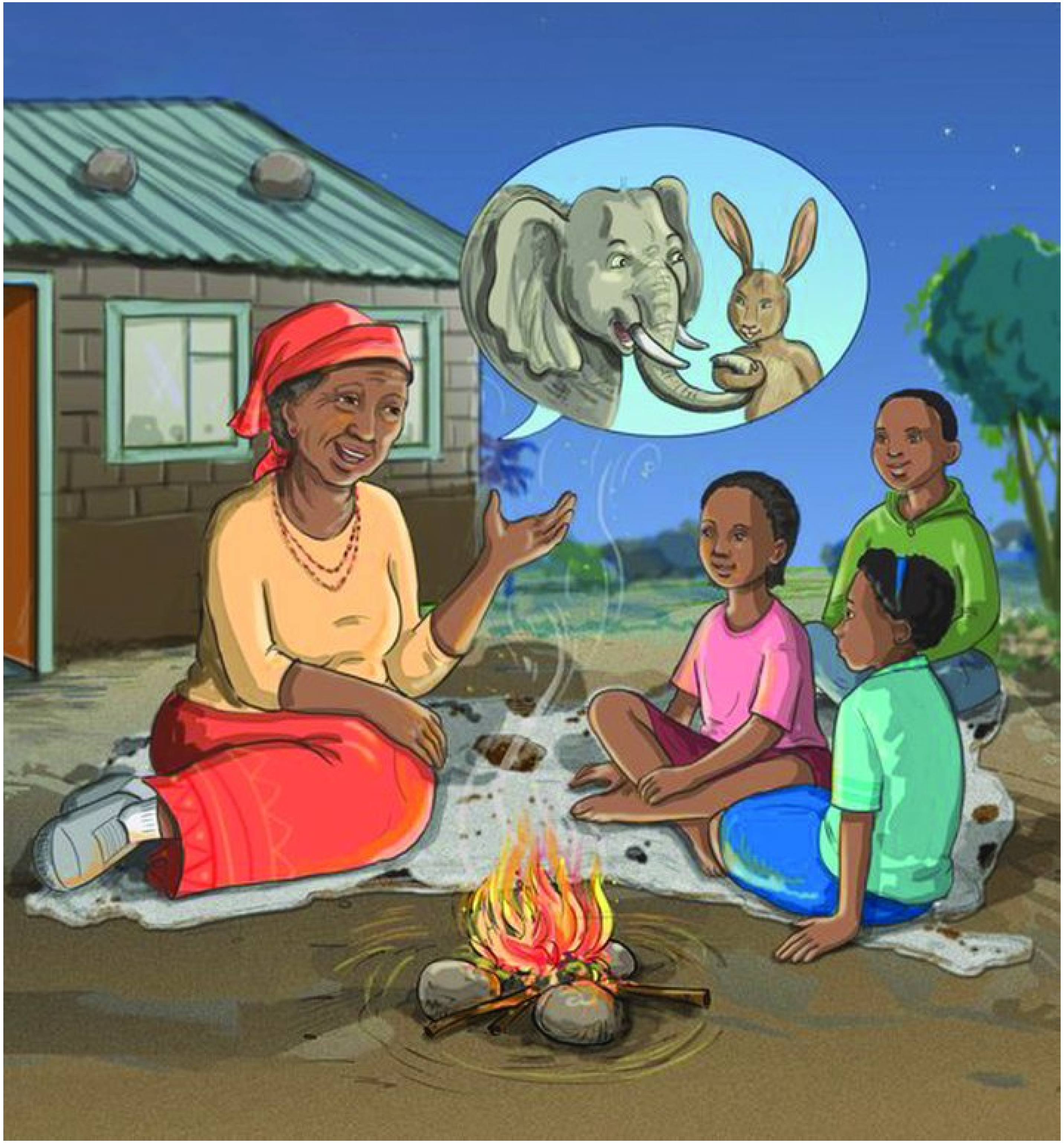

वमिथा और उनके पोते-पोती घर के बाहर बैठे थे. बच्चे बहुत उत्साहित थे क्योंकि उन्हें अपनी दादी की कहानियां सुनने में बड़ा मज़ा आता था.

वमिथा ने कहानी शुरू की, "बहुत-बहुत साल पहले," वो रुकीं और उन्होंने अपने पोते-पोतियों के चेहरों की जिज्ञासा को देखा.

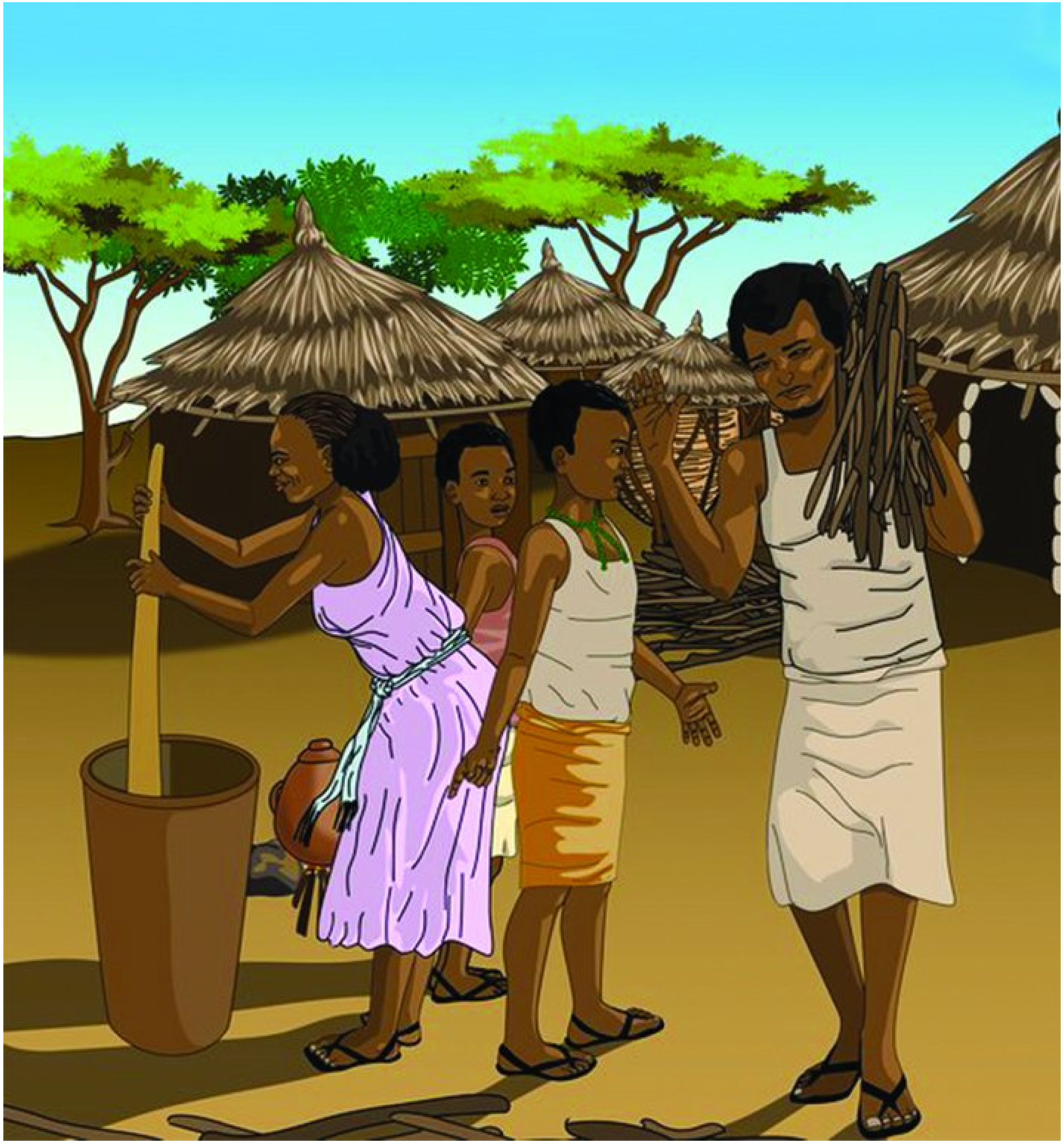

वमिथा ने कहानी सुनाना जारी रखा: “1960 के दशक के शुरु में पहाड़ियों और घाटियों से दूर मोंगू नाम का एक गाँव था. वर्षों से, किटवे गांव के लोग उस पर आक्रमण कर रहे थे.

मोंगू में लोग बहुत कम वेतन पर, लंबे समय तक काम करने को मजबूर थे. उनका पैदा किया सामान किटवे गांव में जाता था. जो भी थोड़ा बचता था, उसे मोंगू गाँव के लोगों को ऊंची कीमत पर बेचा जाता था.”

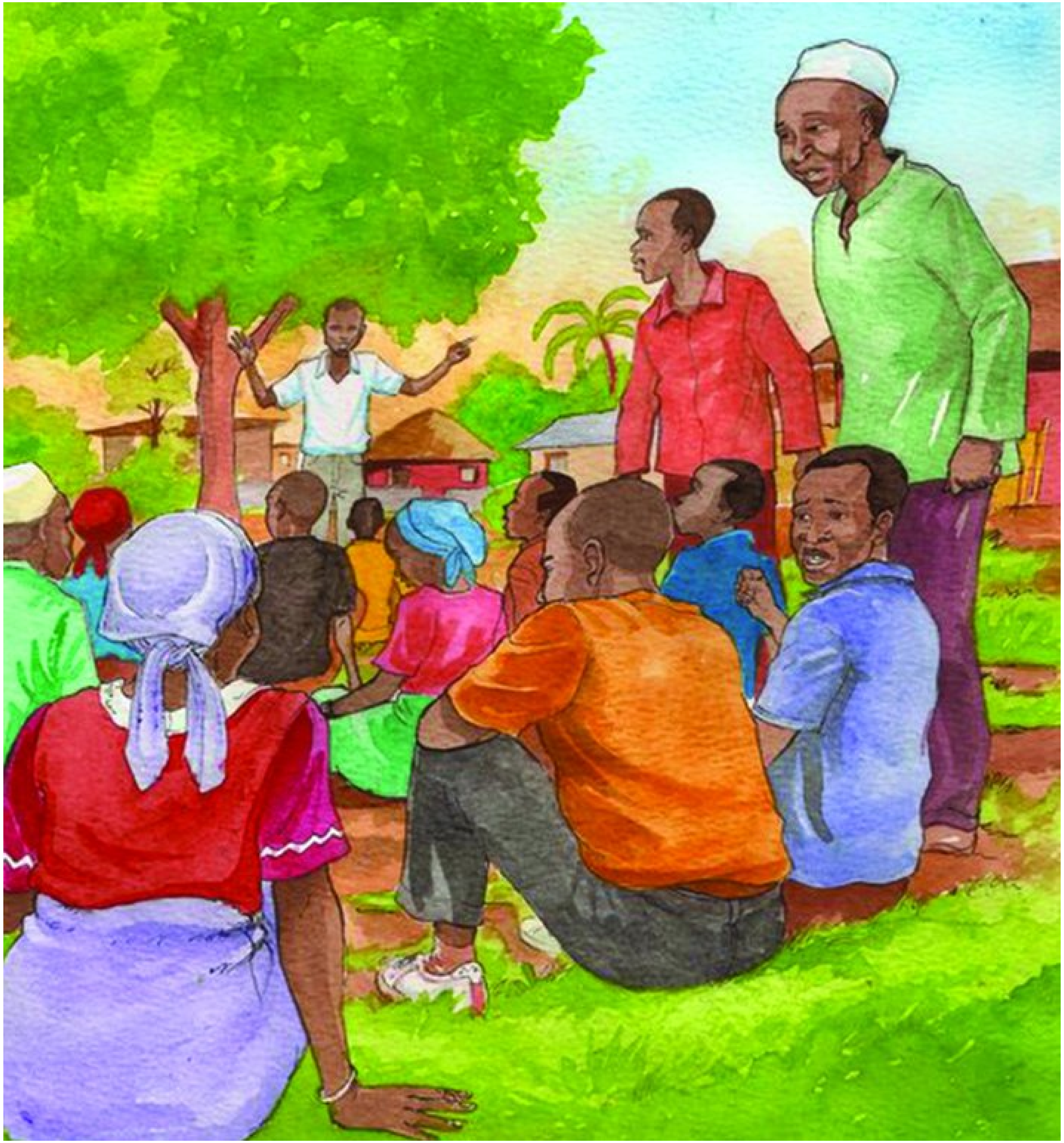

1963 में एक रात, मोंगू के लोगों ने किटवे के मालिकों की सहमति से एक गुप्त बैठक की. उन्होंने तय किया कि अब बहुत हो चुका था और अब वो अपनी जमीन वापस चाहते थे. फिर उन्होंने बैठक में अपनी जीत की संभावनाओं पर विचार किया.

उन्हें पता था कि किटवे के पास एक मजबूत सेना और बेहतर हथियार थे. लोगों ने अनेकों विचार रखे लेकिन उन्हें कोई भी जंचा नहीं. जैसे ही वे हार मानकर बैठे, वैसे ही एक युवक ने खड़े होकर कहा, "मुझे लगता है कि मुझे एक रास्ता पता है."

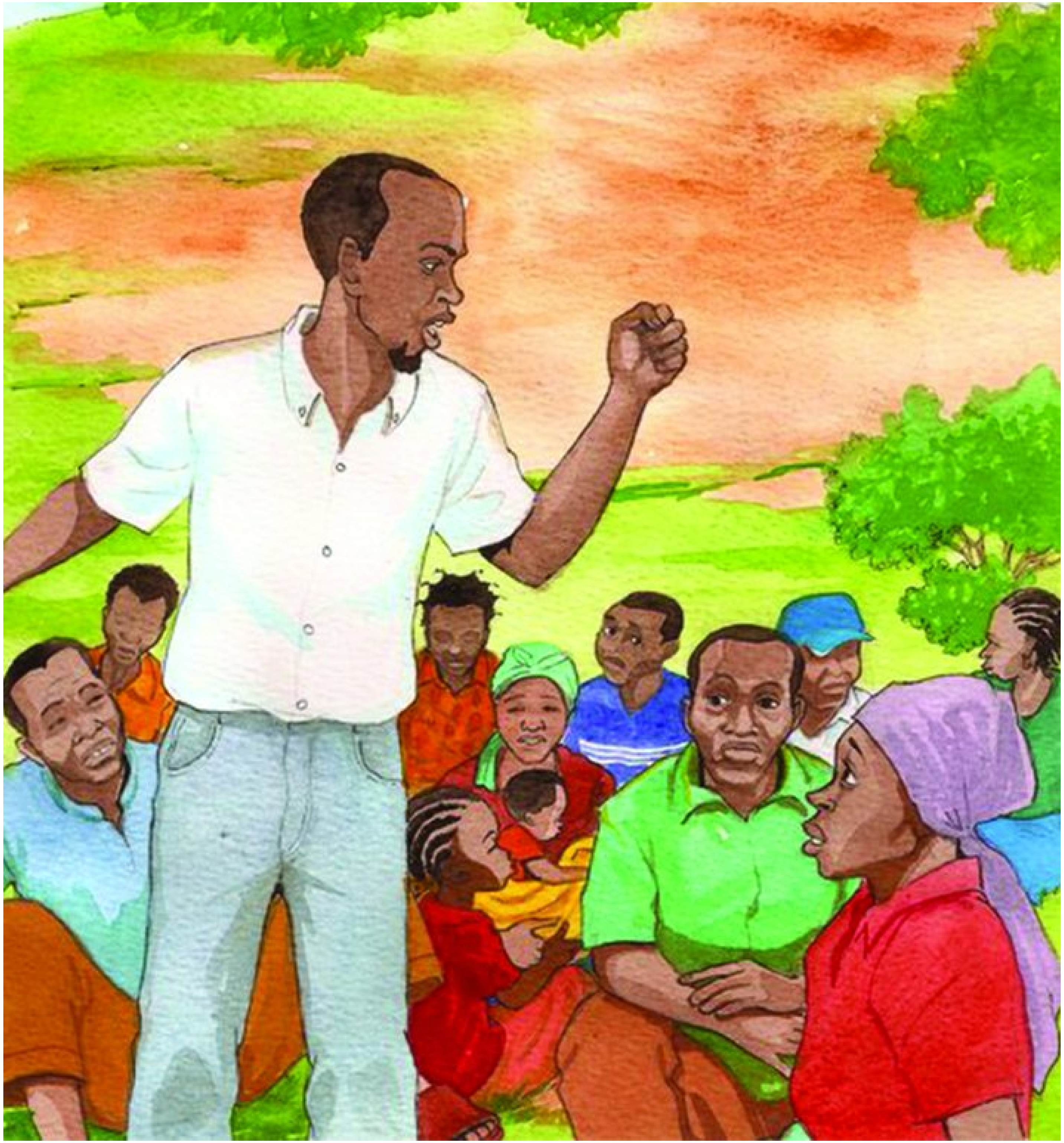

सभी ने उत्सुकता से पूछा, "हमें बताओ!" युवक ने शुरू किया, “मेरे दादा ने हमें उबंटू नाम के एक आदमी के बारे में बताया, जो जंगल में रहता है. वो स्वतंत्रता नाम का एक फल उगाता है जो लोगों को कुछ भी करने की ताकत देता है."

"हमें इस आदमी को खोजना चाहिए." वे सभी चुप थे. क्या करना है यह किसी को पता नहीं था. चूँकि किसी और के पास उससे बेहतर विचार नहीं था, इसलिए उन्होंने कहा, "तुम जाओ और उस उबंटू को खोजो."

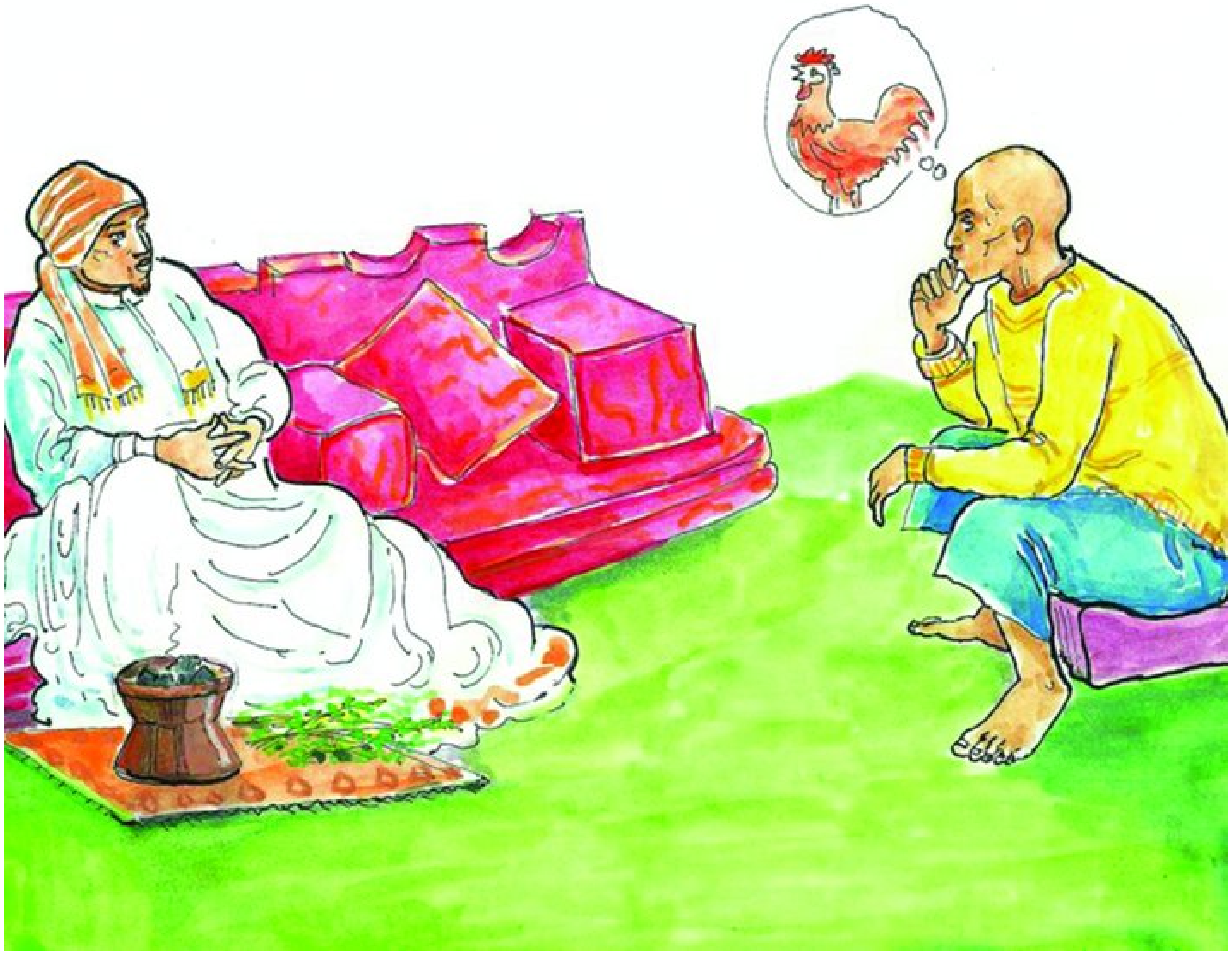

युवक, उबंटू को खोजने के लिए निकला. पाँच दिनों तक जंगल में भटकने के बाद वह बड़े घर के पास पहुंचा. वो बहुत खुश था.
उसे वो बूढ़ा आदमी मिल गया था. आदमी ने पूछा, "तुम क्या चाहते हो?" युवक ने उत्तर दिया, "मुझे स्वतंत्रता चाहिए."

यह सुनकर बूढ़े आदमी की आँखें एकदम बड़ी हो गईं. इतने सालों से कोई भी उस फल की तलाश में नहीं आया था.

उन्होंने काफी देर तक बातचीत की. फिर बूढ़े आदमी उबंटू ने, युवक को फल देने का फैसला किया. उसने कहा, “ध्यान से सुनो. फल खाने के बाद तुम वो ज्ञान प्राप्त करोगे जो तुम्हें अपने लोगों को स्वतंत्रता दिलाने में मदद करेगा.

यह फल तुम्हें अपने लोगों का नेता बना देगा. उनके साथ विनम्रता से पेश आना.” फिर उसने युवक को एक अंगूर के आकार का फल दिया और कहा, “मेरे निर्देशों का पालन करो. उससे तुम्हारी भूमि समृद्ध होगी. अब, जाओ और मेरे बारे में किसी को मत बताना."

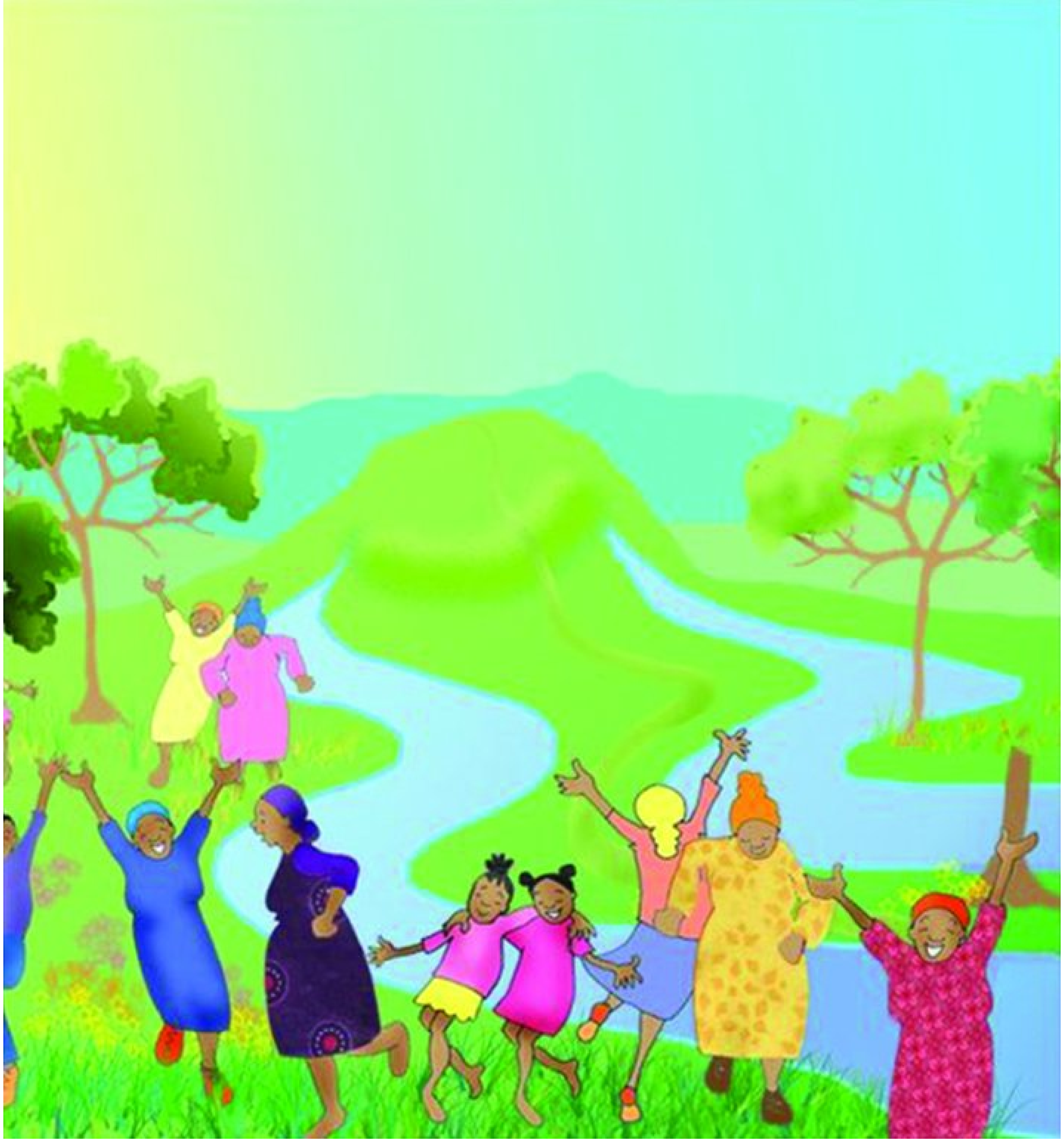

युवक वापस मोंगू वापिस लौटा. जैसा कि बूढ़े ने कहा था, वे किटवे के लोगों खदेड़ पाए और अपनी जमीन वापस पाने में सक्षम हुए. पूरे गांव में जश्न मनाया गया.

साहस के लिए सबने उस युवक की प्रशंसा की. वो मोंगू गाँव का पहला राजा बना. वो बुद्धिमान था और उसने अपने लोगों पर नेकदिली से राज किया. उसने बड़ी विनम्रता के साथ उनकी सेवा की और हर कार्रवाई से पहले लोगों की राय ली.

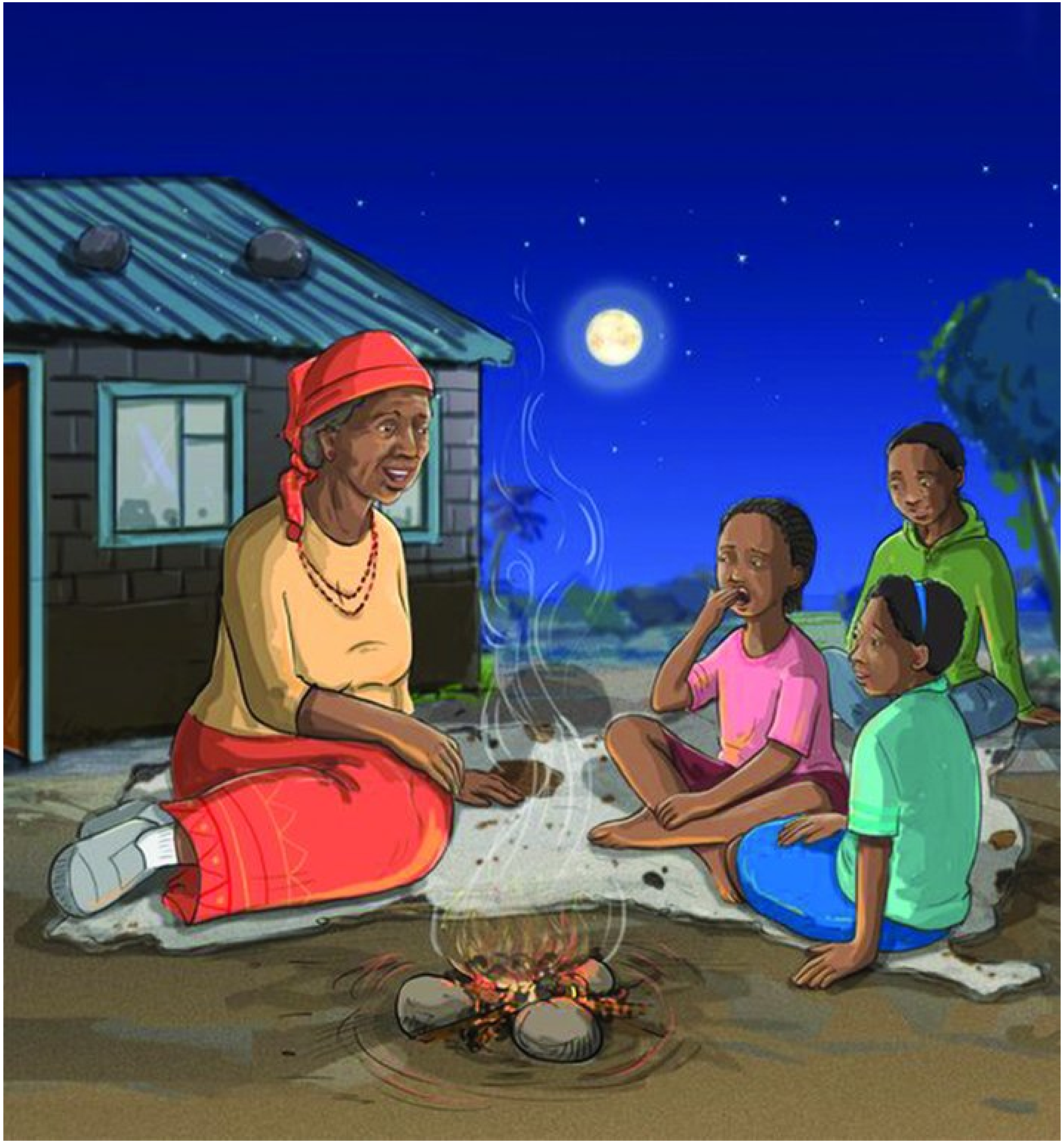

वमिथा ने कहा, "स्वतंत्रता का फल हरेक के जीवन में किसी बिंदु पर ज़रूर आता है. उसका बुद्धिमानी से इस्तेमाल करना. यह याद रखना कि तुम जो करोगे उसका असर सिर्फ़ तुम पर नहीं सभी पर पड़ेगा."

कहानी सुनने के बाद खुश और संतुष्ट बच्चे, घर में चले गये. वमिथा ने उन्हें जाते हुए देखा. उन्हें उम्मीद थी कि जो कहानियां वो बच्चों को रोज़ाना सुनाती थीं वो बच्चों को एक बेहतर इंसान और भविष्य में लीडर बनने में मदद देंगी.

StoryWeaver
PRATHAM BOOKS

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories - provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Story Attribution:

This story: स्वतंत्रता के फल is translated by Arvind Gupta . The © for this translation lies with Arvind Gupta, 2020. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: 'Fruits of Freedom', by Rose Mburu . © African Storybook Initiative , 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Images Attributions:

Cover page: Old lady narrating stories to children seated around a bonfire, by Catherine Groenewald © African Storybook Initiative, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: Old lady narrating stories to children seated around a bonfire, by Catherine Groenewald © African Storybook Initiative, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: A family working near their huts, by Catherine Groenewald © African Storybook Initiative, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: A group of people listening to a man give a speech, by Catherine Groenewald © African Storybook Initiative, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: A group of people listening to a man give a speech, by Catherine Groenewald © African Storybook Initiative, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: A young man talking to an older man seated on a white sofa, by Catherine Groenewald © African Storybook Initiative, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: A young man talking to an older man seated on a white sofa, by Catherine Groenewald © African Storybook Initiative, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: People laughing and dancing near a stream, by Catherine Groenewald © African Storybook Initiative, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: Old lady narrating stories to sleepy children seated around an empty bonfire, by Catherine Groenewald © African Storybook Initiative, 2017. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

स्वतंत्रता के फल

(Hindi)

बूढ़ी दादी अपने पोतों-पोतियों को ऐसी प्रेरक कहानियाँ सुनाती हैं जिनसे वो जीवन के कई सबक सीख सकें.

This is a Level 4 book for children who can read fluently and with confidence.

PRATHAM BOOKS storyweaver

Pratham Books goes digital to weave a whole new chapter in the realm of multilingual children's stories. Knitting together children, authors, illustrators and publishers. Folding in teachers, and translators. To create a rich fabric of openly licensed multilingual stories for the children of India and the world. Our unique online platform, StoryWeaver, is a playground where children, parents, teachers and librarians can get creative. Come, start weaving today, and help us get a book in every child's hand!